TOB बालमंच

मासिक नवम्बर- 2021 नन्हीं कलम से .....

दीपावली विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

पटाखें क्यों आवाज करती है ?

क्रिएटिव डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक-18

UHS, Bara, Forbisganj, Araria

रंगोली प्रतियोगिता । मध्य विद्यालय जगदीशपुर, भागलपुर

Created with
PDFBear.com

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों,

सरकारी विद्यालय के बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच, नन्हीं कलम से...✍☐" का 18 वां अंक आपको सौंपते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

यह अंक हमें खुशी देने व उत्साह बढ़ाने वाला है क्योंकि यह दिवाली विशेषांक है।

हम जानते हैं कि दिवाली प्रकाश का पर्व है। इस पर्व में अंधकार को हम दिये जलाकर कोसों दूर कर देते हैं और चारों तरफ से रोशनी ही रोशनी रहती है।

हमारे जीवन में भी हमारी झिझक, हमारी अज्ञानता, लापरवाही यह सब अंधकार ही तो है। जिसे हम अपनी सतर्कता, सक्रियता और अपने अंदर छिपे गुणों को संसार के सामने प्रदर्शित कर दूर भगा सकते हैं।और सच कहें तो आप भगा रहे हैं। बालमंच ई-मैगजीन में आपके प्रयास दिख रहे हैं और दुनिया देख रही है।

उम्मीद है कि जिस तरह एक दीपक पूरे घर को प्रकाशित करता है इसी तरह आप भी अपने उत्कृष्ट क्रियाकलापों से पूरे संसार को प्रकाशित करेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? इसे ई-मेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य बताएं।हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ .....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका

ToB बालमंच

Created with
PDFBear.com

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

.....तो लीजिए दीपावली का मौसम आ ही गया। हम लोग खुशी-खुशी अपने घरों में, आंगनों में दिया जलाए। लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना किए। खूब सारा मिठाईयाँ खाए। अपने से बड़ों का चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद लिए, और हाँ इस बार की दिवाली तो एक काम बहुत खास किए कि हमलोगगों ने इस दीपावली पर अपने विद्यालयों को साफ सफाई कर घर से भी सुंदर सजाए। हम एक और प्रण भी भर सक निभाए कि इस बार हम प्रदूषण रहित दीपावली मनाए। 'दीपावली विशेषांक' का यह 18वां अंक आप सबों के लिए तैयार है आपकी बहुत सारी चित्रकारी और कलाकारी के साथ। आशा है यह अंक आप सबों को बहुत पसंद आएगा । आप इसी तरह हमें अपनी रचनाएं भेजते रहें। मित्रों 'TOB बालमंच' का यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताइए।

ढेर सारी शुभकामनाओं सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

Created with
PDFBear.com

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया. फारबिसगंज,(अररिया)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

Created with PDFBear.com

प्रेरक प्रसंग

एक बार की बात है, दीपावली की शाम थी, मैं दिये सजा ही रहा था कि एक ओर से दीपों के बात करने की आवाज़ सुनाई दी।

मैंने ध्यान लगा कर सुना। चार दीपक आपस में बात कर रहे थे। कुछ अपनी सुना रहे थे कुछ दूसरों की सुन रहे थे। पहला दीपक बोला, 'मैं हमेशा बड़ा बनना चाहता था, सुंदर, आकर्षक और चिकना घड़ा बनना चाहता था पर क्या करूँ ज़रा-सा दिया बन गया।'

दूसरा दीपक बोला, 'मैं भी अच्छी भव्य मूर्ति बन कर किसी अमीर के घर जाना चाहता था। उनके सुंदर, सुसज्जित आलीशान घर की शोभा बढ़ाना चाहता था। पर क्या करूँ मुझे कुम्हार ने छोटा-सा दिया बना दिया।'

तीसरा दीपक बोला, 'मुझे बचपन से ही पैसों से बहुत प्यार है काश मैं गुल्लक बनता तो हर समय पैसों में रहता।'

शुभकामना संदेश

देश के भविष्य को स्वर्णिम बनाने हेतु वर्तमान के नन्हे-मुन्ने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारित करना आवश्यक है। अच्छे संस्कार के बिना शिक्षा चाहे वह कितनी ही उच्च कोटि की क्यों ना हो अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः अच्छे राष्ट्र को समृद्ध नहीं कर सकता।

बालमंच ऑनलाइन पत्रिका इस दिशा में बच्चों के मूल रचनाओं एवं विचारों को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जो उनके सृजनशीलता एवं कल्पना को साकार रूप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु एक सराहनीय प्रयास है। इस पत्रिका के गुणवत्ता को प्रदर्शित करने के लिए हमारे प्रशंसा के सारे शब्द छोटे पड़ रहे हैं।

मैं अपनी ओर से ToB बालमंच के सृजनकर्ता एवं प्रधान संपादक श्रीमती रूबी कुमारी एवं संपादक त्रिपुरारी राय तथा प्रकाशक टीचर ऑफ बिहार को अशेष शुभकामनाएं देते हुए इसके सफल प्रशासन की कामना करती हूं। धन्यवाद सहित।

डॉ० कुमारी विनीता
व्याख्याता (भौतिकी)
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बांका

Created with
PDFBear.com

चौथा दीपक चुपचाप उनकी बातें सुन रहा था। अपनी बारी आने पर मुस्करा कर अत्यंत विनम्र स्वर में कहने लगा, 'एक राज़ की बात मैं आपको बताता हूँ, कुछ उद्देश्य रख कर आगे पूर्ण मेहनत से उसे हासिल करने के लिए प्रयास करना सही है लेकिन यदि हम असफल हुए तो भाग्य को कोसने में कहीं भी समझदारी नहीं हैं। यदि हम एक जगह असफल हो भी जाते हैं तो और द्वार खुलेंगे। जीवन में अवसरों की कमी नहीं हैं, एक गया तो आगे अनेक मिलेंगे। अब यही सोचो, दीपों का पर्व - दिवाली आ रहा है, हमें सब लोग खरीद लेंगे, हमें पूजा घर में जगह मिलेगी, कितने घरों की हम शोभा बढ़ाएँगे। इसलिए प्यारे बच्चों, जहाँ भी रहो, जैसे भी रहो, हर हाल में खुश रहो, द्वेष मिटाओ। खुद जलकर भी दूसरों में प्रकाश फैलाओ, नाचो गाओ, और खुशी-खुशी दिवाली मनाओ।'

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें। उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा। कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें।

बूझो तो जाने

एक फूल है काले रंग का,
सिर पर सदा सुहाए।
तेज धूप में खिल-खिल जाता,
पर छाया में मुरझाये।

जवाब??

उत्तर अगले अंक में

क्या आप जानते हैं ?

1 से 99 तक की स्पेलिंग में कही भी a, b, c, d का उपयोग नहीं होता है.||
d का प्रयोग पहली बार 'Hundred' में होता है.||
1 से 999 तक की स्पेलिंग में कही भी a, b, c का उपयोग नहीं होता है.||
a का प्रयोग पहली बार 'Thousand' में होता है.||
1 से 999,999,999 तक की स्पेलिंग में कही भी b, c का उपयोग नहीं होता है.||
b का प्रयोग पहली बार 'Billion' में होता है.||
c का प्रयोग इंग्लिश काउंटिंग में कही भी नहीं होता..||

चुटकुले

पति कमरे में बैठा
शराब पी रहा था यह देखकर पत्नी
गुस्से से तमतमा कर बोली:
आपने तो कहा था कि
बिना किसी वजह के शराब को
हाथ भी नहीं लगाएंगे फिर ये सब क्या है ?
पति:- वजह है पगली.. वजह है..
अब देखो, दीवाली आ रही है

बच्चो को राकेट
चलाने के लिए खाली बोतल
चाहिए कि नहीं?
Jokes11

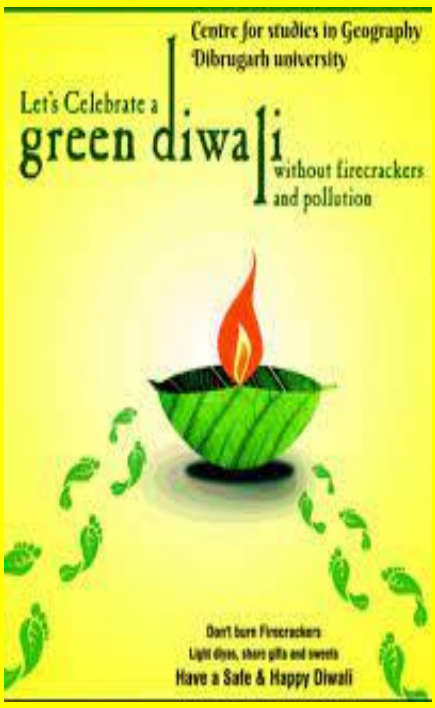

Created with
PDFBear.com

अंग्रेजी सीखें

ARTICLE By- Tripurari

In English there are three articles: *a*, *an*, and *the*. Articles are used before nouns or noun equivalents and are a type of adjective. The definite article (*the*) is used before a noun to indicate that the identity of the noun is known to the reader. The indefinite article (*a*, *an*) is used before a noun that is general or when its identity is not known. There are certain situations in which a noun takes no article.

As a guide, the following definitions and table summarize the basic use of articles. Continue reading for a more detailed explanation of the rules and for examples of how and when to apply them.

Definite article

the (before a singular or plural noun)

Indefinite article

a (before a singular noun beginning with a consonant sound)
an (before a singular noun beginning with a vowel sound)

CONTINUDE.....

फोटो ऑफ़ द मंथ

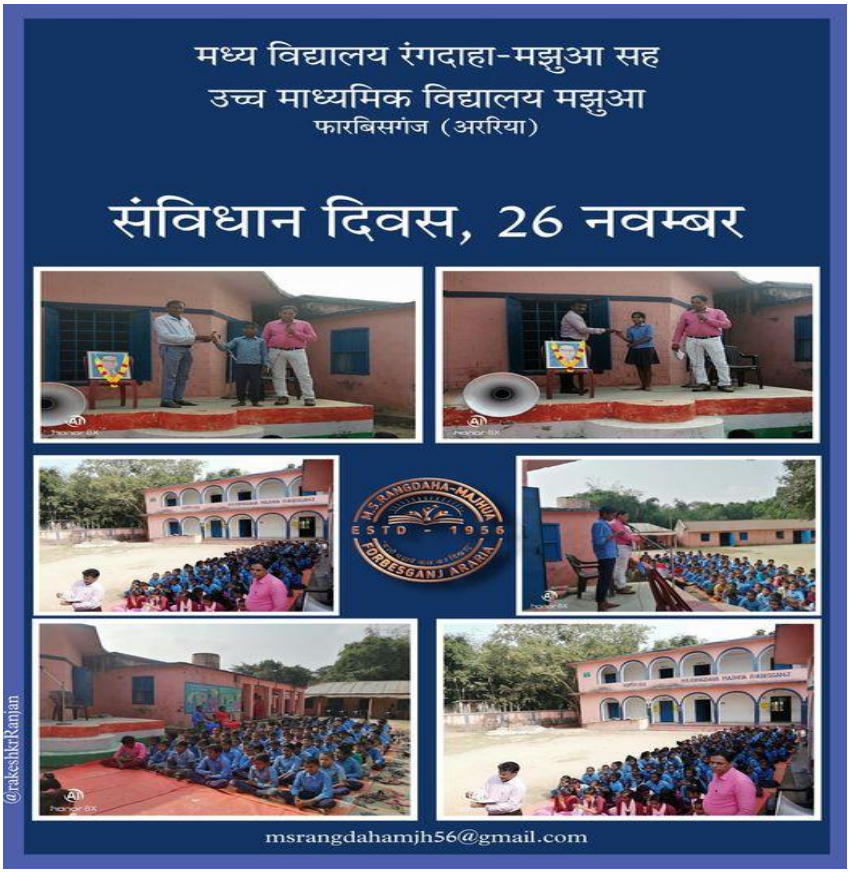

तकनीकी कोना..... ई. शिवेंद्र सुमन

खान अकादमी ऐप गणित, अर्थशास्त्र, विज्ञान, वित्त, व्याकरण इतिहास और अन्य विषयों के लिए हजारों वीडियो और लेखों के माध्यम से ई-लर्निंग प्रदान करता है। यह छठी से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए भी लक्षित है। इनके सभी वीडियो को eLots के app एवम webiste पर भी वर्ग वार मैप किया गया है । ऐप छात्रों को अभ्यास प्रश्न, चरण-दर-चरण संकेत और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। इसमें सामग्री के माध्यम से आसान नेविगेशन के लिए बुकमार्क फीचर, ऑफलाइन एक्सेस और ऐप और khanacademy.org के बीच डिवाइस सिंकिंग की सुविधा भी है।

AppUrl:
https://play.google.com/store/apps/details?id=org.khanacademy.android

प्रमुख दिवसें

दिनांक	महत्व
1 नवंबर	विश्व शाकाहारी दिवस
5 नवंबर	विश्व सुनामी जागरूकता दिवस
7 नवंबर	शिशु सुरक्षा दिवस, विश्व कैंसर जागरूकता दिवस चंद्रशेखर वेंकट रमन जयंती
10 नवंबर	शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस
11 नवंबर	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
12 नवंबर	विश्व निमोनिया दिवस
14 नवंबर	जवाहरलाल नेहरू जन्मदिन
19 नवंबर	विश्व शौचालय दिवस
26 नवंबर	भारत का संविधान दिवस
30 नवंबर	सेंट एंड्रयू डे

Created with
PDFBear.com

हिंदी ज्ञान

निबंध लेखन

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। हमारे हिंदी भाषा कौशल को सीखना और सुधारना भारत के अधिकांश स्थानों में सेवा करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। स्कूल के दिनों से हम हिंदी भाषा का बोलते हैं। कुछ स्कूल और कॉलेज हिंदी में अतिरिक्त बोर्ड और निबंध बोर्ड से निबंध लेखन का आयोजन करते हैं, छात्रों को बोर्ड परीक्षा में हिंदी निबंध लेखन की आवश्यकता होती है।

निबंध लेखन किसे कहते हैं? अपने विचारों और भावों को जब हम नियंत्रण ढंग से लिखते हैं वह निबंध के रूप में जाना जाता है

- किसी भी विषय पर अपने भावों के अनुसार हम लिपि बंद करते हैं वह निबंध लेखन कहा जाता है।
- नि + बंद यह दो शब्द को मिलाकर निबंध शब्द का निर्माण होता है।
- इसका अर्थ यह होता है कि भली प्रकार से बंदी गई रचना जो विचार पूर्वक से लिखी हुई होती है।

निबंध उस विषय पर लिखा जाता है जिसे हम सुनते रहते हैं, देखते हैं और पढ़ते हैं । उदाहरण: धार्मिक त्योहार, राष्ट्रीय त्योहार, मौसम, अलग-अलग प्रकार की समस्याएं आदि| क्रमशः ....

बालमन

हमारा बालमंच ऐसा मैगजीन हमारे कलाओं को एक नई पहचान तो दिलाता ही है, साथ ही इसे पढ़कर हम सामान्य ज्ञान, हिंदी व्याकरण, अंग्रेजी व्याकरण, चुटकुले तथा वैज्ञानिक कारणों के बारे में भरपूर जानकारी प्राप्त करते हैं।हमें प्रोत्साहित करने के लिए ई सर्टिफिकेट भी दिया जाता है। इससे हमारा मनोबल बढ़ता है और हम कुछ नया करने के लिए और सोचते हैं।

पहले हम कहानी नहीं लिख सकते थे लेकिन अब बहुत लिख लेते हैं। बालमंच से हम बहुत कुछ सीखते हैं। इसलिए इसके लिए टीचर्स ऑफ बिहार और बालमंच की पूरी टीम को मेरा प्रणाम और धन्यवाद।

अमित कुमार, वर्ग-7,
उत्क्र0 म0 वि0 सरौनी, बौसी, बांका

आओ योग सीखें.....

सर्वांगासन

विधि:- पीठ के बल सीधा लेट जाएं। पैर मिले हुए, दोनों हाथ को दोनों ओर बगल में सटाकर हथेलियां जमीन की ओर करके रखें। श्वास अंदर भरकर पैरों को धीरे धीरे उठाते समय हाथों की सहायता ले एवं 90 डिग्री पर पैर को ले जाकर हाथों को उठाकर कमर के पीछे लगाएं। कोहनियां भूमि पर टिकी हुई हो और पैरों को मिलाकर सीधा रखें दो मिनट तक रुकें। वापस आते समय पैरों को सीधा रखते हुए पीछे की ओर थोड़ा झुकायें ।दोनों हाथों को कमर से हटाकर भूमि पर सीधा कर दें। अब जिस क्रम में उठे थे उसी क्रम में धीरे-धीरे पहले पीठ और फिर पैरों को भूमि पर सीधा करें।

लाभ:-थायराइड को सक्रिय एवं स्वस्थ बनाता है। इसलिए मोटापा, दुर्बलता एवं थकानआदि विकार दूर होते हैं। थायराइड एवं पिट्यूटरी ग्लैंड के मुख्य रूप से क्रियाशील होने से यह आसन कद वृद्धि में विशेष उपयोगी है।

Created with
PDFBear.com

अखबारों के नजर में हम

RNI TC NO.-BIHBIL02428 हिंदी/English

राइजिंग बिहार

राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित बिहार का साप्ताहिक समाचार पत्र | बिहार के रंग, रचनात्मकता के संग

साप्ताहिक | वर्ष : 02 | अंक : 20 | बिहार | 06 दिसम्बर से 12 दिसम्बर, 2021 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 3/- | डी.एम. नं०-06

बच्चों एवं शिक्षकों के लिए समर्पित टीचर्स ऑफ बिहार की मासिक पत्रिका 'बाल मंच' का 15वां संस्करण हुआ प्रकाशित

राइजिंग बिहार । प्रतिनिधि

बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं एवं नवाचारी गतिविधियों को राज्य के सभी विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित प्रधान संपादिका बांका जिला अंतर्गत बौंसी प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका रूबी कुमारी, सम्पादक ग्राफिक डिजाइनर सहरसा जिला अंतर्गत महिषी प्रखण्ड स्थित मध्य विद्यालय रौंटी के शिक्षक त्रिपुरारी राय एवं सहयोगी अररिया जिला स्थित फारबिसगंज प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया के शिक्षक रंजेश कुमार के सौजन्य से संपादित बिहार की एक मात्र शैक्षिक मासिक पत्रिका 'बालमंच, नन्ही कलम से' टीचर्स ऑफ बिहार की सबसे अनोखी पहल है, जिसमें बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच आयोजित शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि में नवाचारों के प्रयोगों को शामिल किया जाता है।

शैक्षिक मासिक पत्रिका बाल मंच के संरक्षक सह टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने बाल मंच के 15वें संस्करण को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी करते हुए बिहार के शिक्षकों से अपील की है कि यदि आपके विद्यालय में भी बच्चों के बीच नवाचारी गतिविधि के माध्यम से शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि आयोजित किए जाते हैं तो उससे संबंधित फोटोज एवं विडियोज को आप भी टीचर्स ऑफ बिहार के किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवश्य साझा करें। जिससे आपके द्वारा अपनाए गए नवाचारी गतिविधि को पूरे बिहार के शिक्षक जान सके और अपने विद्यालय में उसे अपने बच्चों के बीच उस गतिविधि को अपना सके। साथ ही उन्होंने कहा कि आपके इस छोटे से प्रयास से बिहार के शिक्षा व्यवस्था में जो अप्रत्याशित परिवर्तन होगा उससे पूरे बिहार के बच्चे लाभान्वित होंगे। उक्त जानकारी टीचर्स अफ़ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं तिरहुत प्रमंडल के मीडिया प्रभारी नसीम अख्तर ने संयुक्त रूप से दी।

टीचर्स ऑफ बिहार की मासिक पत्रिका "बाल मंच" का 15वां संस्करण हुआ प्रकाशित

चौथी वाणी/बेतिया। बिहार के प्रारंभिक,माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं एवं नवाचारी गतिविधियों को राज्य के सभी विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए बिहार की एक मात्र शैक्षिक मासिक पत्रिका "बालमंच, नन्ही कलम से" टीचर्स ऑफ बिहार का 15वां संस्करण प्रकाशित हुआ।शैक्षिक मासिक पत्रिका "बालमंच, नन्ही कलम से" टीचर्स ऑफ बिहार की सबसे अनोखी पहल है, जिसमें बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच आयोजित शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि में नवाचारों के प्रयोगों को शामिल किया जाता है। शैक्षिक मासिक पत्रिका बाल मंच के संरक्षक सह टीचर्स ऑफ बिहार के

फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने बाल मंच के 15 वें संस्करण को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जारी करते हुए बिहार के शिक्षकों से अपील की है कि यदि आपके विद्यालय में भी बच्चों के बीच नवाचारी गतिविधि के माध्यम से शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि आयोजित किए जाते हैं तो उससे संबंधित फोटोज एवं विडियोज को आप भी टीचर्स ऑफ बिहार के किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवश्य साझा करें। जिससे आपके द्वारा अपनाए गए नवाचारी गतिविधि को पूरे बिहार के शिक्षक जान सके और अपने विद्यालय में उसे अपने बच्चों के बीच उस गतिविधि को अपना सके। साथ ही उन्होंने कहा कि आपके इस छोटे से प्रयास से बिहार के शिक्षा व्यवस्था में जो अप्रत्याशित परिवर्तन होगा उससे पूरे बिहार के बच्चे लाभान्वित होंगे।उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

कटोरिया के भनरा स्कूल के बच्चों ने लिया प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प

- चित्रांकन प्रतियोगिता में दिव्या दर्वे प्रथम, तो दूसरे स्थान पर रही नेहा कुमारी

सामूहिक संकल्प लेती छात्राएं.

प्रतिनिधि, कटोरिया

बिहार-झारखंड बॉर्डर पर स्थित मध्य विद्यालय भनरा के बच्चों ने प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प लेकर समाज को सकारात्मक संदेश भी दिया. इससे पहले स्कूल कैंपस में फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता से संबंधित चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. जिसमें वर्ग सप्तम की छात्रा दिव्या दर्वे सबसे अव्वल रही. जबकि अष्टम वर्ग की छात्रा नेहा कुमारी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया. वहीं प्रमिला कुमारी तृतीय व प्रियंका कुमारी चतुर्थ स्थान पर रही. दीपावली से ठीक एक दिन पहले स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सभी बच्चों ने अपने हाथों से मिट्टी का दीपक तैयार किया. जबकि बच्चों को मोटिवेट करने वाली सहायक शिक्षिका ज्योति कुमारी ने सभी दीया को रंग से सजा कर आकर्षक बना दी. कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोली व तोरण द्वार भी बनाये. सभी छात्र-छात्राओं ने पटाखा नहीं छोड़ने व प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प भी लिया. इस मौके प्रधानाध्यापिका कंचन कुमारी, सहायक शिक्षिका मीना कुमारी, ज्योति कुमारी, अंबिका कुमारी, शिक्षक विनोद कुमार, छात्र-छात्राएं नेहा कुमारी, प्रमिला कुमारी, सोनम कुमारी, खुशबू कुमारी, दिव्या दर्वे, सोनू, चांदनी, करिश्मा, आशा, सागर, राखी, नीरज, ज्योति, नीशू, पूजा, आनंद, रीता आदि मौजूद थे.

प्रभात खबर 9/9

04/11/2021

विद्यालय में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

नरपतगंज. प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय किशोरी मुखिया टोला भवानीपुर में बुधवार को दीपोत्सव मनाया गया. सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षिकाओं के द्वारा मौके पर आकर्षक रंगोली बनाया गया. स्कूली बच्चे व शिक्षकों ने प्रधानाध्यापक रंजय कुमार राजन की अगुआई में हरित दीपावली मनाने का संकल्प लिया. इस क्रम में स्कूली बच्चों को पटाखों के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गयी. साथ ही स्वास्थ्य व वातावरण पर पड़ने वाले इसके नाकारात्मक प्रभाव से उन्हें अवगत कराया गया. स्कूली बच्चों के बीच माटी के दीये वितरित किये गये. कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक रंजय कुमार राजन, शिक्षिका जुली कुमारी, विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष अरविंद पासवान, बाल संसद के प्रधानमंत्री राकेश कुमार सहित बाल संसद के सभी सदस्यों ने दीपोत्सव मनाने में काफी सहयोग किया.

बच्चों एवं शिक्षकों के लिए समर्पित टीचर्स ऑफ बिहार की मासिक पत्रिका 'बाल मंच' का 15 वां संस्करण हुआ प्रकाशित

बिहार मंथन डेस्क

मोतिहारी। बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं एवं नवाचारी गतिविधियों को राज्य के सभी विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित प्रधान संपादिका बांका जिला अंतर्गत बौंसी प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका रूबी कुमारी, सम्पादक ग्राफिक डिजाइनर सहरसा जिला अंतर्गत महिषी प्रखण्ड स्थित मध्य विद्यालय रौंटी के शिक्षक त्रिपुरारी राय एवं सहयोगी अररिया जिला स्थित फारबिसगंज प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया के शिक्षक रंजेश कुमार के सौजन्य से संपादित बिहार की एक मात्र शैक्षिक मासिक पत्रिका ‎‎'बालमंच, नन्ही कलम से' टीचर्स ऑफ बिहार की सबसे अनोखी पहल है, जिसमें बिहार के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच आयोजित शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि में नवाचारों के प्रयोगों को शामिल किया जाता है।

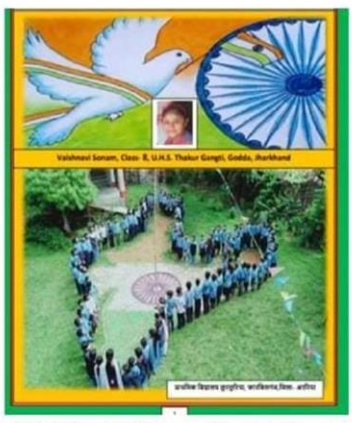

शैक्षिक मासिक पत्रिका बाल मंच के संरक्षक सह टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने बाल मंच के 15 वें संस्करण को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जारी करते हुए बिहार के शिक्षकों से अपील की है कि यदि आपके विद्यालय में भी बच्चों के बीच नवाचारी गतिविधि के माध्यम से शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि आयोजित किए जाते हैं तो उससे संबंधित फोटोज एवं विडियोज को आप भी टीचर्स ऑफ बिहार के किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अवश्य साझा करें। जिससे आपके द्वारा अपनाए गए नवाचारी गतिविधि को पूरे बिहार के शिक्षक जान सके और अपने विद्यालय में उसे अपने बच्चों के बीच उस गतिविधि को अपना सके। साथ ही उन्होंने कहा कि आपके इस छोटे से प्रयास से बिहार के शिक्षा व्यवस्था में जो अप्रत्याशित परिवर्तन होगा उससे पूरे बिहार के बच्चे लाभान्वित होंगे।

उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

Created with PDFBear.com

रोचक तथ्य

ऐसा पक्षी जो कभी जमीन पर नहीं रखता पैर

आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत के महाराष्ट्र राज्य का राजकीय पक्षी हरियल एक ऐसा पक्षी है, जो अपना पैर कभी धरती पर नहीं रखता है. इन पक्षियों को ऊंचे-ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं. यह अक्सर अपना घोंसला पीपल और बरगद के पेड़ पर बनाते हैं. अधिकतर हरियल पक्षी झुंड में ही पाये जाते हैं. हरियाल पक्षी के बारे में कहा जाता है कि यह अपने पूरे जीवन में कभी भी जमीन पर पैर नहीं रखता है, क्योंकि ये पक्षी वृक्षवासी होते हैं और अक्सर पेड़ों पर ही रहना पसंद करते हैं.

पीले पैर और कबूतर की तरह दिखने वाले हरियल का आकार 29 से 33 सेमी के बीच होता है. पूंछ की लंबाई 8 से 10 सेमी के बीच होती है. हरियल का वजन 225 से 260 ग्राम के बीच होता है. पक्षी की गर्दन सुनहरे पीले रंग का होता है. वे सोशल बर्ड कहलाते हैं और झुंड में रहना पसंद करते हैं. इनके प्रजनन का मौसम मार्च से जून के बीच होता है. इसका वैज्ञानिक नाम Treron Phoenicoptera है.

दीपावली के पूर्व संध्या पर 1 नवंबर एवं 2 नवंबर 2021 को उत्क्रमित मध्य विद्यालय-सह-उच्च माध्यमिक विद्यालय पोखरपुर, गिरियक, नालंदा में चेतना सत्र के वक्त दीपावली सेलिब्रेट करते हुए विद्यार्थीगण।

दीपों का त्यौहार 'दीपावली' के शुभ अवसर पर प्रा.वि.बड़की बलियारी, बिक्रम, पटना के बच्चों ने रंगोली बनाया।

Created with
PDFBear.com

सभी फोटो UHS,Bara,Forbisganj, Araria

Created with
PDFBear.com

अंश कुमार, वर्ग-7, उ. म. वि. सिलौटा
प्रखंड- भभुआ, जिला- कैमूर

फुरकान आलम, वर्ग- 8, नगरपालिका उर्दू मध्य विद्यालय, भभुआ, जिला- कैमूर

पलक कुमारी, वर्ग- 8,
उ. म.वि. सिलौटा,भभुआ, जिला कैमूर

अन्नू यादव, वर्ग- 8, उ. म.वि. सिलौटा,भभुआ, जिला कैमूर

सोनम चौरसिया,
उ. म.वि. सिलौटा,भभुआ,
जिला- कैमूर

Rifat Naz ,Class- 8

मौसमी कुमारी,
उ. म.वि. सिलौटा,
भभुआ, जिला- कैमूर

Created with
PDFBear.com

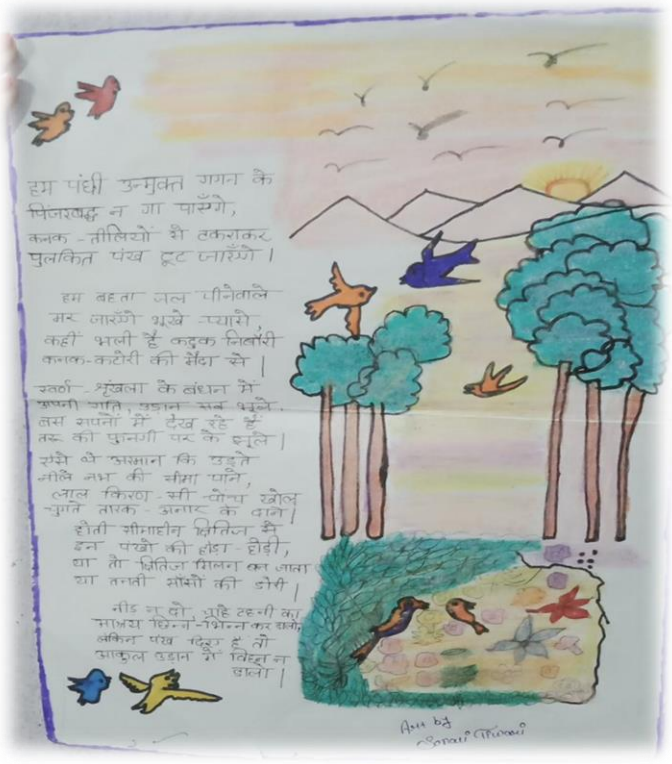

सोनाली तिवारी,
उ. म.वि. सिलौटा,
भभुआ,
जिला- कैमूर

Soumya Mahi Ranjan,
Class– 9,
UHS Barinagar

Uttam Kumar, Class- 8, UMS SAROUN,I BOUNSI, BANKA

MITHUN KUMAR, CLASS- 7, UMS SAROUNI, BOUNSI, BANKA

Mithi Kumari, Class- 1,
UMS Golhatti , Bounsi, Banka

Created with
PDFBear.com

Rangoli design by Saloni Kumari, Class- 3, UMS GOLHATTI, Bounsi, Banka

Khushi Raj

फरहीन बेगम
प्रा. वि. राजिबस्ती

हरीश कुमार
U.M.S LODHABARI 1

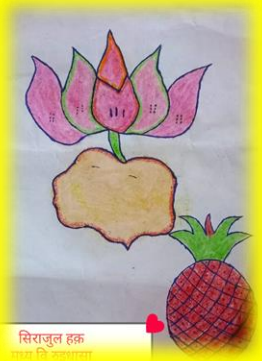

सिराजुल हक़

मिनारा बेगम
उ. उच्च वि. रुईधासा

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको बालमंच का ये अंक कैसा लगा हमें अवश्य बताएँ| आप हमें नीचे दिए गए किसी भी माध्यम email या whatsapp द्वारा सूचित कर सकते हैं|

email-
balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp No. :- 6202839650
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

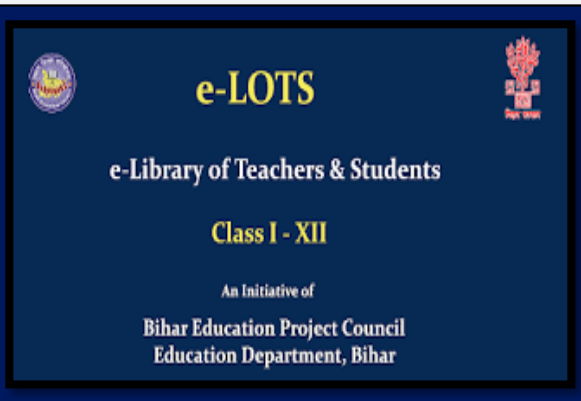

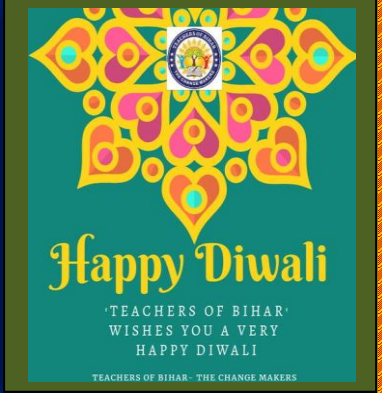

Created with
PDFBear.com